पिया हो पिया - मोमिन का तुम ही ईमान
पिया बिना कुछ और न चाहें,
मोमिन की यहीं पहचान
1- लाख विघन हों ईमान न टूटे,
दुख में भी पिया का संग न छुटे
तुमसे पिया है निसवत हमारी,
लाड तुम्हारे गए जान हो पिया..
2- ए ही ईमान तो बल है हमारा,
जिसे आजमाने को खेल में उतारा
तुमने पिया पहचान कराई,
शक दिए सब ही भान हो पिया...
3- दुनिया में मोमिन नाम धराये,
धाम के वायदे सब ही भुलाये
हाथ तुम्हारे सब है धनी मेरे,
ना लो हमारा इम्तहान हो पिया..
4- जो भी धनी पे ईमान है लाया,
घर का अखण्ड सुख उसने है पाया
आए धनी मेरे धाम से सब विध,
कायम अर्श सुभान हो पिया...

Nijanand App